Live Hindustan

TET finish restoration of the teachers to be open competition: Lalu

राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने कहा कि टीईटी को समाप्त कर शिक्षकों की बहाली खुली प्रतियोगिता से होनी चाहिए। इसी के साथ लेक्चरर की बहाली भी स्थानीयता का ध्यान में रखते हुए कॉलेज सेवा आयोग को बहाल कर की जानी चाहिए। कुलपतियों की बहाली में भी आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने इन सभी के लिए सरकार से बात की है।

प्रसाद बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर लौटने के बाद रविवार को अपने आवास पर प्रेस से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राथमिक से लेकर माध्यमिक तक के सभी शिक्षकों की बहाली खुली प्रतियोगिता के आधार पर होनी चाहिए। टीईटी से यह बहाली पूरी होने वाली नहीं है। यह अंतहीन सिलसिला है। एक बार रिक्तियों का पता लगाकर बहाली कर इसे खत्म करना चाहिए।

ट्रेंड हों या अनट्रेंड सबकी बहाली एक खुली प्रतियोगिता से हो। बाद में जो अनट्रेंड बहाल हुए उन्हें ट्रेनिंग दी जाए। उन्होंने शिक्षा मंत्री अशोक चौधरी से इसके लिए बात की है। उन्होंने कहा की लेक्चरर बहाली के लिए कॉलेज सेवा आयोग को फिर से बहाल करना चाहिए। हमने ऐसा किया था। इसमें स्थानीयता पर भी सरकार को ध्यान रखना चाहिए। लोक सेवा आयोग के लिए यह सब काम कठिन है। कुलपतियों की नियुक्ति में आरक्षण का प्रावधान होने से सभी वर्ग को समान अवसर मिलेगा।

बाढ़ पीड़ितों को केन्द्र से मदद नहीं

प्रसाद ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की मदद केन्द्र सरकार नहीं करने वाली है। मुख्यमंत्री ने केन्द्र को स्थिति से अवगत करा दिया। पता नहीं केंद्र सरकार ने क्या दिया, क्या नहीं दिया। लेकिन हमको लगता है कि इनलोगों को जनता की पीड़ा से कोई मतलब नहीं है। केन्द्र सरकार छह माह भोजन, मकान और दूसरी जरूरी वस्तुएं दे। सूख प्रभावित इलाकों पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

हाथ से निकल रहा कश्मीर

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर हाथ से निकलता जा रहा है। केन्द्र सरकार की गलत नीति से परेशानी हो रही है। कश्मीर हमारा अभिन्न अंग है। कहा कि कश्मीरी अवाम को विघटनकारी ताकतों से दूर रहना चाहिए।

तिरंगा का अपमान

उन्होंने कहा कि केन्द्र के मंत्री तिरंगा का अपमान कर रहे हैं। तिरंगा को दिन में फहराने के बाद सम्मान के साथ सूर्यास्त के पहले उतार लेना चाहिए, लेकिन ये लोग रातभर तिरंगा लहराते रहते हैं। असल में इनके हाथ में तिरंगा है, लेकिन मन में तो भगवा है।